



सी.सी.आर.यू.एम.

न्यूजलेटर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका

खंड 39 • अंक 2

अप्रैल-जून 2019

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक दूसरी बार आयुष मंत्री बने

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक ने 30 मई 2019 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय के रूप में शपथ ग्रहण की। उत्तर गोवा से पांचवी बार सांसद श्री नाईक को रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री की जिम्मेदारी भी सौंपी गई।

पिछली सरकार में श्री श्रीपाद नाईक ने पहले केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संस्कृति मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के रूप में कार्य किया, परन्तु बाद के फेरबदल में उन्हें आयुष मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गया। प्रथम आयुष मंत्री के रूप में श्री नाईक ने आयुष क्षेत्र में बहुत से सकारात्मक बदलाव और सुधार किए। उनके कुशल नेतृत्व में आयुष पद्धतियों को बहुत अधिक बढ़ावा मिला और वैश्विक स्तर पर इन्हें नई ऊंचाइयां और स्वीकार्यता प्राप्त हुई।

यूनानी चिकित्सा पद्धति को भी माननीय मंत्री का विशेष ध्यान प्राप्त हुआ और उनके कार्यकाल में प्रणाली के विकास की कई नई पहल की गई। उन्होंने गाज़ियाबाद में राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान की नींव रखी जिसको उत्तरी भारत में यूनानी चिकित्सा के सबसे बड़े संस्थानों के रूप में 10 एकड़ भूमि में 340 करोड़ की अनुमानित लागत से विकसित किया जाएगा। केंद्रीय



श्री श्रीपाद येस्सो नाईक

माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय एवं राज्य मंत्री, रक्षा मंत्रालय

यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद का त्वचा रोग हेतु राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में उन्नयन, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, सिल्वर का क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में उन्नयन, स्वास्थ्य रक्षण कार्यक्रम का क्रियान्वयन, एन.पी. सी.डी.सी.एस. में यूनानी चिकित्सा का समाकलन, के.यू.चि.अ.सं. में एम.डी./पी. एच.डी. का शुभारंभ और यूनानी चिकित्सा

के लिए आयुष पुरस्कार योजना उनके नेतृत्व में की गई कुछ मुख्य पहलें हैं।

उम्मीद की जाती है कि उनका नया कार्यकाल चल रही परियोजनाओं के तीव्र निष्पादन और पिछले कार्यकाल में उनके द्वारा विकसित विकास की गति को बनाए रखने में सहायक होगा। उन्होंने गोवा के लोगों को अपने पोर्टफोलियो की घोषणा के तुरंत बाद एक संदेश में कहा 'मैं पहले भी आयुष मंत्री रह चुका हूं। जहां तक निरंतरता का सवाल है इस मंत्रालय में मेरा दूसरा कार्यकाल मेरे लिए सहायक होगा। मैं चल रही परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा। मैं योग और वैकल्पिक चिकित्सा के लिए नई योजनाएं भी शुरू करूंगा'।

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् आयुष मंत्री के रूप में श्री श्रीपाद येस्सो नाईक का हार्दिक स्वागत करता है और उनके नेतृत्व में अन्य स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों के साथ यूनानी चिकित्सा के चौतरफा विकास और प्रगति के लिए तत्पर है।

आयुष सचिव ने के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद का दौरा किया

वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 22 जुलाई 2019 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद का दौरा किया और इसकी अवसंरचना की सराहना की।



वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव (आयुष) 22 जुलाई 2019 को डॉ. एम.ए. वहीद, उपाध्यक्ष-तकनीकी, शासी निकाय, के.यू.चि.अ.प., डॉ. मुनवर हुसैन काज़मी, उप-निदेशक प्रभारी एवं के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद के अन्य अधिकारियों से बातचीत करते हुए।

वैद्य कोटेचा ने डॉ. मुनवर एच. से अवगत कराया गया। पद्मश्री डॉ. काज़मी, उप-निदेशक, के.यू.चि.अ.सं., एम.ए. वहीद, उपाध्यक्ष-तकनीकी, हैदराबाद के साथ विस्तृत बातचीत की शासी निकाय, के.यू.चि.अ.प. और उन्हें विटिलिगो पर अनुसंधान के संस्थान के अन्य अधिकारी इस अवसर क्षेत्र में संस्थान द्वारा प्राप्त उपलब्धियों पर उपस्थित थे।

वैद्य कोटेचा ने डॉ. मुनवर एच. काज़मी के साथ आईपीडी, शोध ओपीडी, सामान्य ओपीडी, डीएसआर युनिट, फार्माकोलॉजी, जीव रसायन, आणविक जीव विज्ञान और संस्थान की अन्य सुविधाओं का जायज़ा लिया। माननीय सचिव ने संस्थान की अवसंरचना की प्रशंसा की और डॉक्टरेट (पीएचडी) कार्यक्रम शुरू करने की सलाह दी। उन्होंने हैदराबाद में सरकारी संस्थानों के साथ अनुसंधान सहयोग के लिए भी सुझाव दिया।

वैद्य कोटेचा ने औषधीय पादपों की सर्वेक्षण इकाई और इब्न अल-बैतार हर्बल गार्डन का भी दौरा किया और टरमिनेलिया चेबुला रिट्ज़ (हलेला) का एक पौधा लगाया। डॉ. मोहम्मद काशिफ हुसैन, अनुसंधान अधिकारी (वनस्पति) ने गार्डन में लगाए गए औषधीय पौधों के बारे में उन्हें बताया। उन्होंने हर्बल गार्डन में जर्मप्लाज्म के अनुरक्षण और स्थानिक और लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के महत्व से भी उनको अवगत कराया। वैद्य कोटेचा ने हर्बल गार्डन टीम के प्रयासों की सराहना की और गार्डन को सर्वश्रेष्ठ हर्बल उद्यानों में से एक बताया। ●●●

अनुवाद के सरलीकरण पर कार्यशाला

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद ने 29 जून 2019 को हिन्दी अनुवाद के सरलीकरण पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी काम-काज में हिन्दी भाषा का उपयोग करने के लिए अधिकारियों को प्रशिक्षित करना था।

अपनी आरंभिक टिप्पणी में डॉ. मुनवर अधिकारी (फार्माकोलॉजी) एवं प्रभारी, एच. काज़मी, उप-निदेशक, के.यू.चि.अ.सं., राजभाषा अनुभाग, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद ने हिन्दी भाषा में अनुवाद के सरलीकरण पर मुख्य भाषण दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को हिन्दी अनुवाद के लिए उपयोगी विभिन्न वेबसाइटों और उपकरणों के बारे में बताया

डॉ. गुलाम मोहम्मद हुसैन, अनुसंधान

और यह भी बताया कि कैसे प्रभावी रूप से इनका उपयोग किया जाता है।

कार्यशाला का समापन श्री एम.ए. बारी फ़ारुकी, हिन्दी सहायक, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। डॉ. ख़दीरुन निसा, सहायक निदेशक (यूनानी), डॉ. आसिया ख़ानम, सहायक निदेशक (यूनानी), डॉ. आलोकनन्दा चक्रवर्ती, अनुसंधान अधिकारी (शरीर क्रिया विज्ञान) और सभी अधिकारी तथा स्टॉफ़ कार्यशाला में उपस्थित थे। कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए बहुत लाभदायक साबित हुई। ●●●

कै.यू.चि.अ.प. ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

कैन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (कै.यू.चि.अ.प.) ने अपने मुख्यालय और देश के विभिन्न भागों में स्थित अपने सभी क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थानों/केन्द्रों में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। लोधी गार्डन, नई दिल्ली में आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भी कै.यू.चि.अ.प. ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लोधी गार्डन में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय केंद्रीय मंत्री, विधि एवं न्याय, संचार, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, श्री पीयूष गोयल, माननीय केंद्रीय रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और श्री जयंत सिन्हा, माननीय सांसद की गरिमापूर्ण उपस्थिति में हुआ।

समारोह की समन्वय एजेंसी नई दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों

और सहायक एजेंसी पतंजलि आश्रम की योग टीम ने समारोह को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दिया। आयुष के नोडल अधिकारी के रूप में प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, कै.यू.चि.अ.प. और उनकी टीम ने अनुभवी तरीके से इस कार्यक्रम को आयोजित किया।

कार्यक्रम का आरंभ पतंजलि आश्रम टीम द्वारा विभिन्न योग आसनों के प्रदर्शन से सुबह 5:30

बजे किया गया जिसके बाद गणमान्य अतिथियों ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। उन्होंने योग को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विरासत बताया और एक स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के रूप में देश के विकास और प्रगति की कामना की। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित मुख्य योग कार्यक्रम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का भाषण सीधा प्रसारित किया गया। इसके बाद गणमान्यों ने सामूहिक योग प्रदर्शन के रूप में 45 मिनट के कॉमन योग प्रोटोकॉल का नेतृत्व किया जिसमें लगभग 1500 योग श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह आयोजन आयुष-यूनानी फेसबुक पेज पर भी सीधा दिखाया गया। कार्यक्रम का विवरण और चित्र, योग लोकेटर और भुवन योग ऐप पर भी अपलोड किये गए।



प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, कै.यू.चि.अ.प., श्री पीयूष गोयल, माननीय केंद्रीय रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय केंद्रीय विधि एवं न्याय और संचार, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और श्री जयंत सिन्हा, माननीय सांसद 21 जून 2019 को लोधी गार्डन, नई दिल्ली में योग प्रदर्शन में भाग लेते हुए।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर (बाएँ) क्षे.यू.चि.अ.सं., चेन्नई और (दाएँ) क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई के अधिकारी अपने-अपने संस्थानों में 21 जून 2019 को योगा करते हुए।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में क्षे.यू.चि.अ.प. के अधीनस्थ विभिन्न संस्थानों ने योग सत्रों और शरीर एवं मस्तिष्क के लिए योग के लाभों और महत्व पर व्याख्यानों सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। परिषद् के सभी कर्मचारी योगा करने लिए प्रातःकाल ही अपने कार्यस्थलों पर एकत्रित हो गये। योग सत्रों का आरंभ वार्म-अप अभ्यासों से हुआ जिस के बाद योग निदर्शकों और

शिक्षकों की सहायता से 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' पर आधारित ध्यान और योग सत्रों का आयोजन किया गया।

योग सत्रों के बाद सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें योग को एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक बेहतरीन तरीका बताया गया। इसे एक ही समय में व्यायाम और आराम करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक बताया गया। यह भी बताया गया कि योग

का अभ्यास तनाव और थकान कम करने और दीर्घकालीन दर्द कम करने के साथ-साथ शारीरिक स्वस्थता में सुधार के लिए भी लाभदायक है।

सभी संस्थानों ने योग लोकेटर एप्लिकेशन पर कार्यक्रम को सूचीबद्ध किया था। यह एक मोबाइल एप्लिकेशन है जो योग श्रद्धालुओं को उनके नज़दीकी स्थान पर आयोजित होने वाले योग कार्यक्रमों को खोजने में सहायता करता है।

...

कश्मीर विवि उप-कुलपति का क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर दौरा

प्रो. तलत अहमद, उप-कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय ने 22 अप्रैल 2019 को क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), श्रीनगर का दौरा किया।



प्रो. तलत अहमद, उप-कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय 22 अप्रैल 2019 को क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर के दौरा के दौरान।

यह दौरा विश्वविद्यालय के पुनःप्रत्यायन हेतु राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (एन.ए.ए.सी.) के आगामी दौरे के मद्देनज़र था। प्रो. तलत अहमद ने प्रो. अकबर मसूद, डीन, अकादमिक्स, डॉ. निसार अहमद मीर, रजिस्ट्रार, कश्मीर विश्वविद्यालय और डॉ. सीमा अकबर, सहायक निदेशक प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर के साथ संस्थान का भ्रमण किया। उन्होंने ओ. पी.डी., आई.पी.डी., एम.डी. अनुभाग, प्रयोगशालाओं और अन्य अनुभागों का दौरा किया और अधिकारियों से बातचीत की तथा उनके कामकाज की सराहना की।

...

शोध डिज़ाइन पर व्याख्यान

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 08 मई 2019 को नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में शोध डिज़ाइन पर व्याख्यान का आयोजन किया। डॉ. पूर्णिमा तिवारी, सफदरजंग अस्पताल द्वारा प्रस्तुत इस व्याख्यान का उद्देश्य अनुसंधान कर्मियों की क्षमता का निर्माण करना था।

विषय पर अपने गहन ज्ञान से श्रोताओं को प्रबुद्ध किया और विभिन्न प्रकार के अनुसंधान डिज़ाइनों, उनकी विशेषताओं, उपयुक्तता और कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया।

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् और केन्द्रीय



प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और डॉ. पूर्णिमा तिवारी, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली 08 मई 2019 को के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली में शोध डिज़ाइन पर व्याख्यान के दौरान।

इस अवसर पर अपने आरंभिक अच्छी समझ विकसित करने के लिए सम्बोधन में प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने डॉ. पूर्णिमा तिवारी, प्रोफेसर, अनुसंधान गतिविधियों के दौरान सामुदायिक चिकित्सा विभाग, डिज़ाइन के महत्व पर प्रकाश डाला वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं और प्रतिभागियों को विषय के बारे में सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली ने

होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के अनुसंधानकर्ताओं ने के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय तथा दिल्ली/एनसीआर स्थित संस्थानों के अनुसंधानकर्ताओं के साथ व्याख्यान में भाग लिया।

...

विश्व तंबाकू निषेध दिवस

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), मुम्बई ने 31 मई 2019 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर अपने परिसर में एक सार्वजनिक बैठक का आयोजन किया।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. हसीब आलम, अनुसंधान अधिकारी प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई ने तंबाकू सेवन से होने वाले विभिन्न रोगों और अन्य नुक्सानों पर प्रकाश डाला। विश्व तंबाकू निषेध

दिवस-2019 के विषय 'तंबाकू और फेफड़े का स्वास्थ्य' पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि फेफड़ों के स्वास्थ्य में सुधार करने का सबसे प्रभावी तरीका धूम्रपान से बचना है। उन्होंने बताया कि कैंसर,

हृदय रोग, सांस की समस्या, तपेदिक, प्रजनन संबंधी समस्याएं और आंत, यकृत और गुर्दे के रोग तंबाकू का सेवन करने के कारण होते हैं।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस प्रति वर्ष 31 मई को तंबाकू के उपयोग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर प्रकाश डालने के लिए मनाया जाता है और साथ ही तंबाकू की खपत को कम करने के लिए प्रभावी नीतियां बनाने के लिए प्रेरित करता है।

के.यू.चि.अ.प. के संस्थानों में ए-एचएमआईएस का कार्यान्वयन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने देश भर में स्थापित अपने संस्थानों/केंद्रों में आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (ए-एचएमआईएस) का कार्यान्वयन किया।



प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. 10 अप्रैल 2019 को हकीम अजमल खान साहित्यिक एवं ऐतिहासिक यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में ए-एचएमआईएस के आरंभ के अवसर पर संस्थान के अधिकारियों के साथ।

ए-एचएमआईएस सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमता का उपयोग करने हेतु आयुष मंत्रालय द्वारा आरंभ की गई एक पहल है जो आयुष सुविधाओं में स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली और रोगी देखभाल के सभी कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए एक व्यापक सूचना प्रौद्योगिकी मंच है।

प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने 10 अप्रैल 2019 को हकीम अजमल खान साहित्यिक एवं ऐतिहासिक यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में ए-एचएमआईएस का आरंभ करते हुए इसके कार्यान्वयन से संबंधित अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और बताया कि यह शीघ्र ही अन्य संस्थानों में आरंभ किया जाएगा।

के.यू.चि.अ.प. के अधीन नौ संस्थानों में अप्रैल-जून 2019 के दौरान ए-एचएमआईएस का आरंभ कर दिया गया और बाकी के संस्थानों/केंद्रों पर इसे कार्यान्वित करने की व्यवस्था की जा रही है।

अनुवाद पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) (केन्द्रीय कार्यालय-1), हैदराबाद ने केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के सहयोग से 10-14 जून 2019 के दौरान केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद में अनुवाद पर अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य नराकास के अंतर्गत आने वाले सरकारी कार्यालयों के अनुवादकों और अन्य योग्य कर्मचारियों के अंदर क्षमता निर्माण करना था।

अपनी आरंभिक टिप्पणी में डॉ. में भाग लिया।

मुनव्वर एच. काज़मी, उप-निदेशक, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद ने अधिकारियों से हिन्दी भाषा को सरकारी काम-काज के निर्वहन के लिए मुख्य भाषा के रूप में अपनाने का आग्रह किया।

श्री ईश्वर चंद्र मिश्रा, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो (बंगलुरु केंद्र), श्री अनिल कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो (नई दिल्ली) ने विशेषज्ञों के रूप में प्रशिक्षण

सप्ताह भर के कार्यक्रम के दौरान दोनों विशेषज्ञों ने हिन्दी भाषा और राजभाषा नीति के महत्व पर प्रकाश डाला, राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों की व्याख्या की और हिन्दी अनुवाद के तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने हिन्दी अनुवादकों और हिन्दी भाषा के प्रति अन्य सरकारी अधिकारियों की जिम्मेदारियों को भी विस्तार से बताया। हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं की

वाक्य रचना, अनुवाद के अनिवार्य पहलू, स्रोत और लक्षित भाषाओं का गहरा ज्ञान होने की आवश्यकता, वाक्य बनाते समय ध्यान रखने वाले तत्व तथा अनुवाद और भाषा विज्ञान के अन्य पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रशिक्षकों ने अनुवाद में सरल भाषा का उपयोग करने और जटिल वाक्यों से बचने का सुझाव दिया और अनुवाद कार्य के लिए उपयुक्त विभिन्न तकनीकी उपकरणों, शब्दकोशों, गुगल एवं अन्य वबसाइटों के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए प्रायोगिक प्रशिक्षण और अनुवाद परीक्षण का संचालन भी किया गया।

दस तकनीकी सत्रों पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 14 जून 2019 को श्री एम.ए. बारी फारुकी, सदस्य सचिव, नराकास के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

...

हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) के अधीन कार्यरत तीन क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों ने अप्रैल-जून 2019 के दौरान अपने संबंधित परिसरों में हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया। कार्यशालाओं का उद्देश्य संस्थानों के कर्मचारियों के बीच हिन्दी भाषा के कौशल को विकसित करना था।



क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान, चेन्नई में 24 जून 2019 को आयोजित हिन्दी कार्यशाला का एक दृश्य।

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), चेन्नई ने 24 जून 2019 को कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला राजभाषा नीति, नियम और कार्यान्वयन विषय पर आधारित थी।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री कोमल सिंह, सहायक निदेशक एवं प्रमुख, केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, चेन्नई ने राजभाषा से संबंधित विभिन्न नियमों पर प्रकाश डाला और हिन्दी भाषा के प्रोत्साहन के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने दिन-प्रतिदिन के जीवन में हिन्दी भाषा के प्रयोग में महारत हासिल करने के उपाय भी सुझाए।

इससे पूर्व संस्थान में हिन्दी अनुवाद समिति की सदस्य श्रीमती नाज़िया कौसर नाथम्कर ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया जबकि डॉ. हाफिज़ सी मो.

असलम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-III एवं हिन्दी अधिकारी ने हिन्दी कार्यों की अर्धवार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यशाला का समापन श्रीमती एन. विद्यालक्ष्मी, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक के धन्यवाद प्रस्ताव



प्रो. मोहम्मद ताहिर, प्रधानाचार्य, अकबर पीरभाँय कॉलेज ऑफ कॉमर्स एण्ड इकोनॉमिक्स 19 जून 2019 को क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान, मुम्बई में हिन्दी कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए।

से हुआ। कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ. एन. ज़हीर अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV एवं प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., चेन्नई ने की। डॉ. नोमान अनवर, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) ने कार्यशाला का संचालन किया।

क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई ने 19 जून 2019 को कार्यशाला का आयोजन किया जिसकी शोभा प्रो. मोहम्मद ताहिर, प्रधानाचार्य, अकबर पीरभाँय कॉलेज ऑफ कॉमर्स एण्ड इकोनॉमिक्स, मुम्बई, डॉ. मोहम्मद रज़ा, पूर्व उप-निदेशक प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई और श्री विनोद कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, हिन्दी प्रशिक्षण योजना, नवी मुम्बई ने बढ़ाई।

अपनी आरंभिक टिप्पणी में डॉ. हसीब आलम लारी, अनुसंधान अधिकारी प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई ने संस्थान में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. ताहिर ने हिन्दी भाषा के बारे में अपने व्यक्तिगत अनुभवों और विचारों को साझा किया और इसे सरलतम रूप में अपनाने की बात कही। श्री विनोद कुमार शर्मा ने सरकारी काम-काज में हिन्दी भाषा के उपयोग से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक

पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिन्दी भाषा में आधिकारिक संचार में होने वाली सामान्य कमियों को भी उजागर किया।

कार्यशाला का समापन डॉ. निर्मला देवी, अनुसंधान अधिकारी (पैथोलोजी), क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

क्षे.यू.चि.अ.सं., हावड़ा ने 15 जून 2019 को कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. ऋषिकेश राय, उप-निदेशक (राजभाषा) एवं सचिव प्रभारी, टी बोर्ड भारत और आचार्य आनंद पाण्डे ने विशेषज्ञों के रूप में कार्यशाला में भाग

लिया। अपने सम्बोधन में डॉ. राय ने सरकारी काम-काज में आसानी से हिन्दी का उपयोग करने के बारे में कुछ उपयोगी तकनीकों को साझा किया और ऑनलाइन हिन्दी प्रशिक्षण की प्रक्रिया और लाभों के बारे में बताया। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित विषयों में हिन्दी भाषा का अधिकतम उपयोग करने और इसे विज्ञान की भाषा बनाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर बोलते हुए आचार्य आनंद पाण्डे ने सरकारी काम-काज तथा व्यक्तिगत जीवन में हिन्दी भाषा का

उपयोग करने का सुझाव दिया। उन्होंने ज्ञान-विज्ञान के लिए अंग्रेजी पर हमारी निर्भरता पर असंतोष व्यक्त किया और इस स्थिति के परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यशाला का समापन डॉ. फैयाज़ अहमद के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। डॉ. यूनिस् इफ़ितख़ार मुंशी, अनुसंधान अधिकारी प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ. सं., हावड़ा ने कार्यशाला का संचालन किया। संस्थान के सभी कर्मचारी कार्यशाला में भाग लेकर लाभान्वित हुए।

...

आई.डी.बी.डी. कार्यक्रम में भागीदारी

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), श्रीनगर ने 22 मई 2019 को विश्व जैव विविधता दिवस (आई.डी.बी.डी.) के अवसर पर शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।



विश्व जैव विविधता दिवस के उपलक्ष में 22 मई 2019 को आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर द्वारा लगाए गए स्टॉल का एक दृश्य।

जम्मू और कश्मीर राज्य जैव विविधता बोर्ड और राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जम्मू और कश्मीर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जैव विविधता के संरक्षण के लिए समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जम्मू और कश्मीर गवर्नर के सलाहकार

श्री विजय कुमार ने जैव विविधता के महत्व पर प्रकाश डाला जो वर्तमान विश्व में सतत विकास और मानव कल्याण के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर लाइफ सपोर्ट सिस्टम के चिरस्थायी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए जैविक विविधता के संरक्षण हेतु समन्वित प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर प्रो. नज़ीर अहमद, उप-कुलपति, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर, श्री सुरेश चुग, प्रमुख वन संरक्षक, जम्मू और कश्मीर, श्री रवि कुमार केसर, अध्यक्ष, जम्मू और कश्मीर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, श्री ओ.पी. शर्मा, निदेशक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, डॉ. फुत्तसोग अंगचुक, निदेशक, भारतीय चिकित्सा पद्धति, जम्मू और कश्मीर एवं अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे।

क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर और विभिन्न सरकारी विभागों जिनमें वन, बागबानी, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, वन्य जीवन संरक्षण, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, मत्स्याद्योग, कृषि और सेरीकल्चर सम्मिलित हैं ने इस अवसर पर अपने स्टॉल लगाए और जैव विविधता के संरक्षण के लिए अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।

उच्चाधिकारियों ने स्टॉल का दौरा किया और जैव विविधता के क्षेत्रों में किये गये दृढ़ प्रयास और इसके संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारे एकजुट प्रयास जैव विविधता के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य दिवस समारोह

परिषद् के केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद और के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ में 7 अप्रैल 2019 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष में व्याख्यान तथा सार्वजनिक बैठकों का आयोजन किया गया।



डॉ. मुनव्वर एच. काज़मी, उप-निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद 7 अप्रैल 2019 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज विषय पर व्याख्यान देते हुए।

के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद में कार्यक्रम का आरंभ डॉ. जावेद इनाम सिद्दीकी, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद के स्वागत भाषण के साथ हुआ। डॉ. मुनव्वर हुसैन काज़मी, उप-निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद ने इस वर्ष के लिए विश्व स्वास्थ्य दिवस के विषय यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यू.एच.सी.) पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि यू.एच.सी. का अर्थ है कि सभी लोगों और समुदायों को आवश्यकतानुसार उपयुक्त और प्रभारी स्तर की प्रोत्साहक, निवारक, उपचारात्मक, पुनर्वासित और उपशामक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होनी चाहिए और वह भी इस शर्त पर कि इन सेवाओं के उपयोग के लिए उन्हें वित्तीय कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। उन्होंने रोगों को रोकने और स्वास्थ्य एवं कल्याण को बनाए रखने के उपायों पर भी प्रकाश डाला। प्रो. मुश्ताक अहमद, पूर्व निदेशक,

के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद ने भी स्वास्थ्य के प्रोत्साहक और निवारक पहलुओं पर बैठक को संबोधित किया। कार्यक्रम डॉ. एम.ए. रशीद, अनुसंधान सहायक (रसायन), के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुआ।

के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ में जनसभा को संबोधित करते हुए डॉ. एम.ए. खान,

उप-निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के विभिन्न अभियानों ने विश्व को पोलियो, तपेदिक, डेंगू और मलेरिया जैसे कई खतरनाक रोगों से लड़ने में सहायता की है परन्तु गैर-संचारी रोग विश्व स्तर पर मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे प्रबल खतरे के रूप में सामने आए हैं और विश्व भर में सरकारों, सरकारी विभागों, गैर-सरकारी संस्थानों, सामुदायिक समितियों द्वारा इन्हें रोकने के लिए निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है। डॉ. खान ने यूनानी चिकित्सा के छः आवश्यक तत्वों पर प्रकाश डाला और कहा कि यदि लोग अपने भोजन पर नियंत्रण कर लें और अपनी सोने-जागने की प्रवृत्ति को संतुलित कर लें तथा अपने मानसिक और शारीरिक कार्यों को तर्कसंगत कर लें तो वे जीवन भर स्वस्थ और खुशहाल रह सकते हैं। इस अवसर की पृष्ठभूमि के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस जहां स्वास्थ्य का जश्न मनाने का एक मौका है वहीं यह सभी विश्व नेताओं को याद दिलाता है कि हर किसी को उसकी आवश्यकता, जगह और समय के अनुकूल स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध होनी चाहिए।

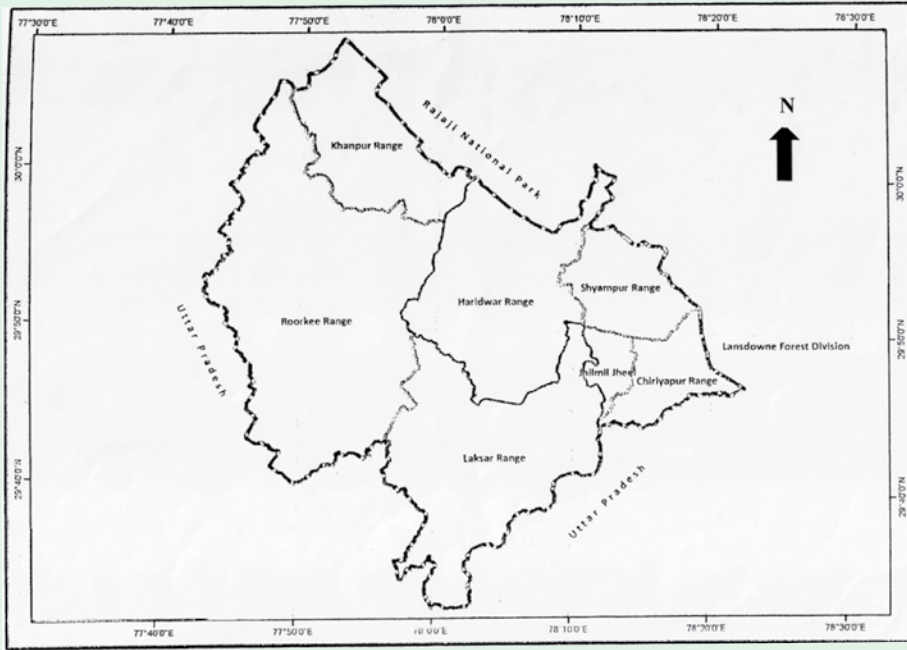
...



डॉ. एम.ए. खान, उप-निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ 7 अप्रैल 2019 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सार्वजनिक व्याख्यान देते हुए।

परिषद् द्वारा हरिद्वार वन प्रभाग का एथनोबोटैनिकल सर्वेक्षण

परिषद् मुख्यालय और क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे. यू.चि.अ.सं.), अलीगढ़ के अनुसंधानकर्त्ताओं ने 15–23 मार्च 2019 के दौरान हरिद्वार वन प्रभाग का एथनोबोटैनिकल सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों विशेषकर यूनानी चिकित्सा पद्धति में उपयोग होने वाले पौधों की उपलब्धता और वितरण रिकॉर्ड तैयार करना और उनके चिकित्सीय लोक दावों की जानकारी एकत्र करना था।



हरिद्वार वन प्रभाग का मानचित्र

हरिद्वार उत्तराखंड का एक दक्षिण-पश्चिमी जिला है। यह एक उत्तरी राज्य है जो उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित है। हरिद्वार वन प्रभाग शिवालिक वन वृत्त के महत्वपूर्ण भागों में से एक है जो वनस्पति और वन्य जीवन में समृद्ध है।

वन प्रभाग 29° 41' से 30° 05' के उत्तरी अक्षांश में और पूर्वी देशांतर 76° 04' से 78° 15' के मध्य स्थित है। प्रभाग का क्षेत्र 359.13 वर्ग किलो मीटर है। यह उत्तर में राजाजी नेशनल पार्क और लैंसडाउन वन प्रभाग, दक्षिण में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, पूर्व में बिजनौर

और पश्चिम में सहारनपुर जिलों से घिरा हुआ है। हरिद्वार वन प्रभाग में श्यामपुर, खानपुर, चिरियापुर, लक्सर, हरिद्वार, रुड़की और झिलमिल झील की वनीय एकक सहित छः श्रृंखलाएं हैं। वन प्रभाग के विभिन्न स्थानों में आदिवासी समुदाय 'वन गुर्जर' बसा हुआ है।

सर्वेक्षण के दौरान जिन क्षेत्रों की खोज की गई उनमें हरिद्वार, श्यामपुर, पीलीपड़ाओ, मिथव्री, रसूलपुर, पीलीचोकी, हरिपुर, खानपुर, बुधवा शहीद, चिरियापुर, कोतवाली, रसियाबाद, पथरी बहादराबाद, रुड़की, तिबरी और लक्सर

शामिल हैं। सर्वेक्षणकर्त्ताओं ने हर्बेरियम दस्तावेजीकरण के लिए प्रासंगिक क्षेत्र डाटा के साथ 87 पौधों की प्रजातियों से संबंधित लगभग 240 वनस्पति नमूने एकत्र किए।

संग्रहण में कई महत्वपूर्ण यूनानी औषधीय पौधे जैसे कमिला (*मल्लोटस फिलिपेन्सिस* (लैम.) मुल.-अर्ग), करन्ज (*पोनोमिया पिन्नाटा* (एल.) पियरी), कथ (*अकोसिया कैटेच्यू* (एल.एफ.) वाइल्ड), बिजासार (*टेरोकार्पस मारसुपिअम* रौक्स.), मुलसरी (*माइमोसोप्स इलैंगी* एल.), तून (*तूना सिलिएटा* एम. रोम), सतावर (*ऐसपैरेगस रेसीमोसस* वाइल्ड), अमलतास (*कैसिया फिस्टुला* एल.), अरुसा (*जस्टिसिया अधाटोडा* एल.), आमला (*फिलैन्थस ऐम्बलिका* एल.), बेलगिरी (*ईगल मर्मीलेस* (एल.) कोर), मेदालकड़ी (*लिसिया ग्लूटिनोसा* (लौर.) सी.बी. रौबिन्स), गुल-ए-धावा (*वुडफोरडिया फ्रूटिकोसा* (एल.), सपिस्तां (*कोर्डिया डाइकोटोमा फ्रास्ट.एफ.*), आडू (*प्रूनस परसिका* एल.), धतूरा (*दतूरा मीटल* एल.), कदम (*एन्थेसीफैलस चाइनैन्सिस* (लैम.) ए रिऐक्स वाल्प), मको (*सोलेनम नाइग्रम* एल.) तमर-ए-हिन्द (*टामारिन्डस इन्डिका* एल.), तूत सफेद (*मोरस एल्बा* एल.), शहजना (*मोरिन्गा ओलिफेरा* लैम.), सन्दल सफेद (*सैन्टेलम एल्बम* एल.), चिरचिता (*एकारैन्थस एस्पेरा* एल.), ब्रह्मी (*सैन्टेला एसिएटिका* (एल.) अरबन), कोंच (*मुकुना प्रुरिन्स* (एल.) डीसी.), सरफुका (*टेफ्रोसिया परप्पूरिया* एल.), रुद्राक्ष (*इलियोकार्पस ग्रैनिट्रस* रॉक्सब एक्स.जी.डॉन), कडू (*क्लेरोडेंड्रम विस्कोसम* वेंट) और सम्भालू (*वाइटैक्स निगून्डो* लिन.) शामिल थे।

कुछ स्थानीय रूप से ज्ञात और महत्वपूर्ण औषधीय पौधे भी क्षेत्र से रिकॉर्ड किए गए जिनमें लल्लारी (*एबरस*



हरिद्वार वन प्रभाग के एथनोबोटैनिकल सर्वेक्षण के दौरान वन कर्मियों एवं लोक उपचारकों के साथ डॉ. मोख्तार आलम, श्री परवेज़ अहमद और श्री ज़फ़रुद्दीन।

प्रिकेटोरिस एल.), गोज (मिलेटिआ वेरा (एल.) बर्म.एफ.) शामिल हैं।
ओरिकुलेटाबेकर), पुतरन्जीवा (पुतरन्जीवा क्षेत्र कार्य के दौरान सर्वेक्षणकर्ताओं
रॉक्सबी. वाल), पिलू (ग्लाकोमिस ने गांव के जानकारों से मानव और
पेन्टाफाईला (रैट.) डीसी), कर्मोड मवेशियों के विभिन्न रोगों के उपचार के
(ऐरिटिया लीविस रॉक्सबी.), बालमखीरा लिए कुछ लोक चिकित्सीय दावों को भी
(किगेला अफ्रिकाना (लैम.) बेंथ), रुद्राक्ष रिकॉर्ड किया। लोक औषधियों के रूप में
(एलिओकार्पस गैनिट्रस रॉक्सबी. उपयोग किए जाने वाले कुछ पौधे इस
एक्स. जी. डॉन), पडाल (स्ट्रोसर्पमम प्रकार हैं— अमलतास (कैसिआ फिस्टुला
कैलोनोइडस (एल.एफ.) डीसी), पापड़ी एल.) — मवेशियों को पेचिश में फल
(होलोप्टेलिआ इन्टीग्रीफोलिआ प्लॉन्क), का गूदा मौखिक रूप से दिया जाता
जन्झोडा (बॉहिनिआ रेसीमोसा लैम.), है; चिरचिटा (ऐकाइरैन्थस ऐस्पेरा एल.)
स्वान्चल (मालवा रोटन्डिफोलिआ एल.), —रूट के काढ़े का उपयोग पित्ताशय
कालाबांसा (बारलेरिआ प्राऑन्निटिस की पथरी के लिए किया जाता है और
एल.), भांगड़ा (ऐक्लिपटा एल्बा (एल.) जड़ का पेस्ट फोड़े पर लगाया जाता है;
हॉस्क.), महुआ (मधुका लौनिगफोलिआ कदू (क्लेरोडेंड्रम कॉडेटम डी. डॉन)
(कोइन्ना) मैकव.) और घीकवार (एलो — जड़ के काढ़े का उपयोग जूं मारने के

लिए किया जाता है; सतावर (ऐसपैरेगस ऐडसैन्डैन्स रॉक्सबी.) — जड़ का पेस्ट मां में दूध की कमी के लिए दिया जाता है; कायाकोटि (सोलेनम नाइग्रम एल.) — शरीर की सूजन के लिए बाहरी भागों का उपयोग किया जाता है; माला (वाइटैक्स नीगून्डो एल.) — पत्ती का पेस्ट मौखिक रूप से शुक्राणुशोथ के लिए दिया जाता है; कपासी (हेलिक्टेरेस आइसोरा एल.) — भूने हुए फल का उपयोग दस्त रोकने के लिए किया जाता है।

सर्वेक्षणकर्ताओं ने संस्थान के संग्रहालय में प्रदर्शन के लिए प्राकृतिक आवासों से तीन औषधीय पौधों बीजासल (टेरोकार्पस मारसूपिअम रॉक्सबी.) का तना; रुद्राक्ष (इलियोकार्पस ग्रेनिट्रस रॉक्सबी. एक्स.जी.डॉन) की फली; कोंच (मुकुना पुरिन्स (एल.) डीसी.) की फली के सूखे नमूने एकत्र किए। संस्थान के हर्बल गार्डन में रोपण के लिए कुछ यूनानी औषधियों के पौधे भी एकत्र किए गए।

सर्वेक्षण दल का नेतृत्व डॉ. मोख्तार आलम, अनुसंधान अधिकारी (वनस्पति), के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय ने किया। श्री परवेज़ अहमद, अनुसंधान सहायक (वनस्पति) और श्री ज़फ़रुद्दीन, परिचायक, क्षेत्र.यू.चि.अ.सं., अलीगढ़ सर्वेक्षण दल में शामिल थे।



रुद्राक्ष (इलियोकार्पस ग्रेनिट्रस रॉक्सबी. एक्स.जी.डॉन)

कडू (क्लेरोडेंड्रम विस्कोसम वेंट)

सोशल मीडिया पर व्याख्यान

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 14 जून 2019 को परिषद् मुख्यालय में सोशल मीडिया पर एक व्याख्यान का आयोजन किया जिसका उद्देश्य आयुष अनुसंधाकर्त्ताओं को आयुष पद्धति के बेहतर परिणामों के प्रभावी प्रचार-प्रसार में सोशल मीडिया के मंचों के सामर्थ्य का लाभ उठाने के बारे में बताना था।



प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. 14 जून 2019 को के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय में प्रो. शोहिनी घोष, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा सोशल मीडिया पर दिए गए व्याख्यान के प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए।

यह व्याख्यान प्रो. शोहिनी घोष, कार्यवाहक निदेशक, अनवर जमाल किदवई जनसंचार अनुसंधान केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने दिया।

अपनी आरंभिक टिप्पणी में प्रो. आसिम अली खान, के.यू.चि.अ.प. ने आयुष की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला और यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में के.यू.चि.अ.प. की गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में बताया। सोशल मीडिया के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक शक्तिशाली उपकरण है जिसका लाभ आयुष औषधियों के विपणन, आयुष पद्धति को उसकी उचित मान्यता दिलाने और आयुष मंत्रालय के अंतर्गत अनुसंधान के परिणामों और सरकार द्वारा उठाये गये कदमों के बारे में जानकारी का प्रसार करने के लिए उठाया जा सकता है।

प्रो. शोहिनी घोष ने 'डिजिटल युग में संचार कौशल' नामक विषय पर

अपना व्याख्यान दिया और संचार तथा सोशल मीडिया के क्षेत्र में हुए अद्भुत परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने डिजिटल प्रौद्योगिकी द्वारा उत्पन्न व्यवधानों और इसके वैश्विक प्रभाव के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने आयुष चिकित्सकों को आम जनता के बीच पहुंच बनाने के लिए विवेकपूर्ण और सुरुचिपूर्ण तरीके से डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

आयुष मंत्रालय के अधीनस्थ अनुसंधान परिषदों से लगभग 40 आयुष चिकित्सकों ने व्याख्यान में भाग लिया। यह व्याख्यान राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 में उल्लिखित विभिन्न डिजिटल उपकरणों के माध्यम से आयुष पद्धति के प्रोत्साहन और इसके प्रचार-प्रसार के लिए आयुष मंत्रालय के आदेश के अनुरूप आयोजित किए जाने वाले व्याख्यानों की श्रृंखला का पहला व्याख्यान था।

पंजीकरण सं. 34691/80

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, की आधिकारिक त्रैमासिक पत्रिका है। यह हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में एक साथ प्रकाशित होती है। इसमें विशेषतः केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् से संबंधित समाचार होते हैं। यह ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए मुफ्त उपलब्ध है जो यूनानी चिकित्सा पद्धति के विकास में दिलचस्पी रखते हैं। सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर में प्रकाशित सामग्री को सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर के आभार के साथ, इस शर्त पर प्रकाशित किया जा सकता है कि वह प्रकाशन व्यापारिक उद्देश्यों से न किया जाये।

मुख्य संपादक

आसिम अली खान

कार्यकारी संपादक

मोहम्मद नियाज़ अहमद

संपादकीय समिति

नाहीद परवीन
गजाला जावेद
जमाल अख्तर
शबनम सिद्दीकी

संपादकीय कार्यालय

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्
61-65, इंस्टीट्यूशनल एरिया, समुख 'डी' ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली-110 058

दूरभाष: +91-11-28521981, 28525982

फैक्स: +91-11-28522965

ई-मेल: unanimedicine@gmail.com

rop.ccrum@gmail.com

वेबसाइट: <http://ccrum.res.in>

मुद्रण: इण्डिया ऑफसेट प्रेस, ए-1, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, मायापुरी, नई दिल्ली-110 064



CCRUM newsletter

A Quarterly Bulletin of Central Council for Research in Unani Medicine

Volume 39 • Number 2

April–June 2019

Shri Shripad Naik Gets 2nd Term as AYUSH Minister

Shri Shripad Yesso Naik was sworn in as Minister of State (Independent Charge) for Ministry of AYUSH in the union government led by Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi on May 30, 2019. A five-time MP from North Goa, Shri Naik has also been entrusted with the responsibility of Minister of State in the Ministry of Defence.

In the previous government, Shri Shripad Naik served first as Union Minister of State (Independent Charge), Ministry of Culture; and Ministry of Tourism, but in a subsequent reshuffle he was made Union Minister of State (Independent Charge), Ministry of AYUSH and Minister of State, Ministry of Health and Family Welfare. As the first AYUSH Minister, Shri Naik brought about positive changes and various reform measures in AYUSH sector. Under his able leadership, the AYUSH systems got much-needed boost and attained new heights and acceptability at global level.

Unani System of Medicine too received his special attention as various new initiatives for the development of the system were taken in his regime. He laid foundation stone for National Institute of Unani Medicine in Ghaziabad which would be developed with an approximate cost of Rs. 340 crore in 10 acres of land as one of the largest institutes



Shri Shripad Yesso Naik
*Hon'ble Minister of State (IC) for AYUSH &
Minister of State for Defence*

of Unani Medicine in Northern India. Upgradation of Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad to National Research Institute of Unani Medicine for Skin Disorders, upgradation of Regional Research Centre, Silchar to Regional Research Institute of Unani Medicine, implementation of Swasthya Rakshan Program, Integration of Unani Medicine in NPCDCS, launch of MD / PhD at

CCRUM institutes and Scheme of AYUSH Awards for Unani Medicine are some other initiatives taken under his leadership.

It is expected that his fresh stint would be helpful in the faster accomplishment of ongoing projects and keeping up the momentum of growth engineered by him in his previous term. "I have already been AYUSH Minister in the last term. My second stint in the same Ministry will help me as far as continuity is concerned. I will focus on completing the ongoing projects faster. I will also embark on new plans for Yoga and alternative medicine," he said in a message to the people of Goa soon after his portfolios were announced.

The Central Council for Research in Unani Medicine extends a hearty welcome to Shri Shripad Yesso Naik as the Minister of AYUSH and look forward to all-around development and progress of Unani Medicine along with other indigenous systems of medicine under his leadership.

Secretary (AYUSH) Visits CRIUM, Hyderabad

Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary to Government of India, Ministry of AYUSH visited the Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad on July 22, 2019 and hailed its infrastructure.



Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary (AYUSH) interacting with Dr. M A Waheed, Vice President-Technical, Governing Body, CCRUM, Dr. Munawwar Husain Kazmi, Deputy Director Incharge and officers of CRIUM, Hyderabad on July 22, 2019.

Vaidya Kotecha had detailed interaction with Dr. Munawwar H Kazmi, Deputy Director Incharge, CRIUM, Hyderabad and was apprised of the achievements attained by the institute in the area

of research on vitiligo. Padma Shri Dr. M A Waheed, Vice President-Technical, Governing Body, CCRUM and officials of the institute were present on the occasion.

Dr. Munawwar H Kazmi

took Vaidya Kotecha round the IPD, ROPD, GOPD, DSR Unit, Pharmacology, Biochemistry, Molecular Biology and other facilities of the institute. Hon'ble Secretary was all praise for the infrastructure and advised to start doctorate (PhD) programme at the institute. He also suggested for research collaboration with government institutions in Hyderabad.

Vaidya Kotecha also visited Survey of Medicinal Plants Unit and Ibn al-Baitar Herbal Garden and planted a sapling of *Terminalia chebula* Retz. (Halela). Dr. Mohd Kashif Husain, Research Officer (Botany) briefed him about the medicinal plants maintained in the garden. He also apprised him about the germplasm maintenance and importance of conservation of endemic and endangered species in the herbal garden. Vaidya Kotecha appreciated the efforts of Herbal Garden Team and termed the garden as one of the best herbal gardens. ●●●

Workshop on Simplification of Translation

The Council's Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad organized a Workshop on Simplification of Translation on June 29, 2019 with an objective to train the officials for using Hindi language in official works.

In his introductory remarks, Dr. Munawwar H Kazmi, Deputy Director Incharge, CRIUM, Hyderabad urged the officials to adopt Hindi as the preferred language for discharging official works.

Dr. Gulam Mohammad Hussain, Research Officer (Pharmacology) and Incharge, Rajbhasha Anubhag at CRIUM, Hyderabad delivered keynote address on 'Simplification of Translation in Hindi Language'. He informed the participants about

various websites and tools useful for Hindi translation and elaborated on how to effectively use them.

The workshop concluded with vote of thanks proposed by Shri M A Bari Farooqui, Hindi Assistant, CRIUM, Hyderabad. Dr. Khadeerun Nisa, Assistant Director (Unani), Dr. Asiya Khanum, Assistant Director (Unani), Dr. Alokanda Chakraborty, Research Officer (Physiology) and all the officers and staff were present in the workshop. The workshop proved very useful for the participants. ●●●

CCRUM Celebrates International Day of Yoga

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) celebrated International Day of Yoga (IDY) at its headquarters and all the regional research institutes / centres located in different parts of the nation. The CCRUM also played key role in the IDY celebration organized by the Ministry of AYUSH at the Lodhi Gardens, New Delhi.

The IDY celebration at the Lodhi Gardens had august presence of Hon'ble Union Minister of Law and Justice, Communications, and Electronics and Information Technology Shri Ravi Shankar Prasad, Hon'ble Union Minister of Railways and Commerce and Industry Shri Piyush Goyal and Hon'ble Member of Parliament Shri Jayant Sinha.

The officials of New Delhi Municipal Corporation, the coordinating agency and Yoga team of Patanjali Ashram, the supporting agency of the event made the celebration a grand success. As the Nodal Officer of AYUSH for the event, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and his team coordinated the event in a very professional manner.

The event started at 5:30 AM with demonstration of various Yoga Asanas by the Patanjali Ashram Team which was followed by the addresses of the dignitaries. The guests termed Yoga as an important national heritage and wished for the development and progress of the country as a healthy and prosperous nation. As a part of the event, the speech of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi was relayed directly from the main Yoga event in Ranchi, Jharkhand. Afterwards, the dignitaries led a 45-minute Common Yoga Protocol as a mass Yoga demonstration which had around 1500 Yoga enthusiasts. The event was live streamed on AYUSH – Unani Facebook Page. The event details and pictures were uploaded on Yoga Locator



Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM, Shri Piyush Goyal, Hon'ble Union Minister of Railways and Commerce and Industry, Shri Ravi Shankar Prasad, Hon'ble Union Minister of Law and Justice and Shri Jayant Sinha, Hon'ble Member of Parliament participating in Yoga demonstration at the Lodhi Gardens, New Delhi on June 21, 2019.



Officers of RRIUM, Chennai (left) and RRIUM, Mumbai (right) flexing their bodies on the occasion of International Day of Yoga on June 21, 2019 at their respective institutes.

and Bhuvan Yoga App as well.

Commemorating the IDY, the CCRUM institutes organized a host of events including live Yoga sessions and lectures on the benefits and importance of Yoga for body and mind. All the employees of the Council gathered to flex their body at their respective workplaces early in the morning. The Yoga sessions started with warm-up

exercises which were followed by meditation and a guided Yoga session based on 'Common Yoga Protocol' conducted with the help of Yoga demonstrators and teachers.

Following the Yoga sessions, public lectures were organized that highlighted Yoga as a unique way to approach an individual's health and well-being. It was described as one of the best ways

to exercise and relax at the same time. It was also highlighted that practicing Yoga had been reported to decrease stress, fatigue, and alleviate chronic pains as well as to improve physical fitness.

The institutes had listed the events on Yoga Locator, a mobile application that helps Yoga enthusiasts find the Yoga events being organized near them. ●●●

KU VC Visits RRIUM, Srinagar

Prof. Talat Ahmad, Vice Chancellor, University of Kashmir (KU) visited Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Srinagar on April 22, 2019.



Prof. Talat Ahmad, Vice Chancellor, University of Kashmir visiting laboratory of Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar on April 22, 2019.

The visit was in the wake of the forthcoming visit of National Assessment and Accreditation Council (NAAC) to the University of Kashmir for its re-accreditation. Prof. Talat Ahmad who was accompanied by Prof. Akbar Masood, Dean, Academics and Dr. Nisar Ahmad Mir, Registrar of the University of Kashmir was taken round the institute by Dr. Seema Akbar, Assistant Director Incharge, RRIUM, Srinagar. They visited OPD, IPD, MD (Unani) Section, Laboratories and other sections, interacted with the officials and appreciated their functioning. ●●●

Lecture on Research Designs

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) organized a lecture on Research Design at its headquarters in New Delhi on May 8, 2019. The lecture delivered by Dr. Poornima Tiwari, Safdarjung Hospital aimed at capacity building of research personnel.

her deep knowledge on the topic and elaborated various types of research designs, their characteristics, applicability and methodologies.

Researchers from the Central Council for Research in Ayurvedic Sciences and Central Council



Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and Prof. Poornima Tiwari, Safdarjung Hospital, New Delhi during the lecture on research designs at CCRUM Headquarters, New Delhi on May 8, 2019.

In his opening remarks on the occasion, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM highlighted the importance of design in the course of research activities and encouraged the participants to develop good

understanding of the subject.

Dr. Poornima Tiwari who is professor at Department of Community Medicine, Vardhman Mahavir Medical College & Safdarjung Hospital, New Delhi enlightened the audience with

for Research in Homoeopathy along with researchers of the CCRUM from its headquarters and institutes located in Delhi/NCR participated in the lecture.

...

World No Tobacco Day Observed

The Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Mumbai organized a public meeting at its campus on May 31, 2019 to observe World No Tobacco Day (WNTD).

Addressing the gathering, Dr. Haseeb Alam, Research Officer Incharge, RRIUM, Mumbai highlighted health hazards of tobacco consumption and various

ailments caused by it. Speaking on 'Tobacco and Lung Health', the theme of WNTD 2019, he said that the most effective way to improve lung health is to refrain

from smoking. He informed that cancers, heart diseases, respiratory problems, tuberculosis, reproductive problems and diseases of intestine, liver and kidney are caused by tobacco.

WNTD is observed every year on 31st May to highlight the health and other risks associated with tobacco use, and advocate effective policies to reduce tobacco consumption.

...

A-HMIS Launched at CCRUM Institutes

The Central Council for Research in Unani Medicine launched AYUSH Hospital Management Information System (A-HMIS) at its institutes / centres spread in the country.



Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM with officers of Hakim Ajmal Khan Institute for Literary and Historical Research, New Delhi during the launch of A-HMIS on April 10, 2019.

Initiated by the Ministry of AYUSH to harness the potential of Information Technology, A-HMIS is a comprehensive IT platform to effectively manage all functions of health care delivery systems and patient care in AYUSH facilities.

Launching A-HMIS at Hakim Ajmal Khan Institute for Literary and Historical Research, New Delhi on April 10, 2019, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM appreciated the efforts of the concerned officers in its implementation and informed that it would be launched at other institutes shortly.

A-HMIS was launched at nine of the CCRUM's institutes during April–June 2019 and necessary arrangements for its implementation were underway at rest of the institutes / centres. ●●●

Training Program on Translation

The Town Official Language Implementation Committee (TOLIC) (Central Offices - 1), Hyderabad in collaboration with the Central Translation Bureau organized a short-term Training Program on Translation at the Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad during June 10–14, 2019. The training aimed at capacity building of translators and other eligible staff of government offices covered under the TOLIC.

In his introductory remarks, Dr. Munawwar H Kazmi, Deputy Director Incharge, CRIUM, Hyderabad and Chairman, TOLIC urged the officials to adopt Hindi as the preferred language for discharging official works.

Shri Ishwar Chandra Mishra, Assistant Director, Central Translation Bureau (Bengaluru Centre), Shri Anil Kumar Sharma, Assistant Director, Central Translation Bureau (New Delhi)

participated in the training as resource persons.

During the week-long program, both the resource persons shed light on importance of Hindi language and Official Language Policy, explained provisions of Official Languages Act and discussed technical aspects of Hindi translation in illuminating detail. They also elaborated responsibilities of Hindi translators and other government officials towards Hindi language. Syntax

of Hindi and English languages, essentials of translation, necessity of having deep knowledge of source and target languages, elements to keep in mind while structuring sentences and other aspects of translation and linguistics were discussed at length. The trainers suggested using simple language in translation and avoiding complex sentences and informed about various technical tools, dictionaries, Google and other websites suitable for translation work. Hands-on training and translation tests of the participants were also conducted during the program.

The training program that was spread in ten technical sessions concluded on June 14, 2019 with vote of thanks delivered by Shri M A Bari Farooqui, Member Secretary, TOLIC. ●●●

Hindi Workshops at CCRUM

Three Regional Research Institutes of Unani Medicine functioning under the CCRUM organized Hindi Workshops at their respective campuses during April-June 2019. The workshops aimed at developing Hindi language skills among the staff of the institutes.



A view of Hindi Workshop at Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai on June 24, 2019.

The Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Chennai organized the workshop on June 24, 2019. The workshop was themed on Official Language Policy, Rules and Implementation.

Addressing the workshop as the chief guest, Shri Komal Singh, Assistant Director and Head, Central Hindi Training Institute, Chennai highlighted various regulations related to the Official Languages and shared his ideas about the promotion of Hindi language. He also suggested ways for mastering the use of Hindi language in day-to-day life.

Earlier, Smt. Nazia Kouser Nathmkar, Member of Hindi Translation Committee at the institute, delivered welcome address whereas Dr. Hafiz C Mohd

Aslam, Research Officer (Unani) Scientist – III and Hindi Officer presented half yearly report of the works done in Hindi language. The workshop concluded with vote of thanks presented by Smt. N. Vidyalakshimi, Library

and Information Assistant. It was presided over by Dr. N. Zaheer Ahmed, Research Officer (Unani) Scientist – IV and Incharge, RRIUM, Chennai. Dr. Noman Anwar, Research Officer (Unani) conducted the workshop.

The workshop at RRIUM, Mumbai was organized on June 19, 2019 which was graced by Prof. Mohammed Tahir, Principal, Akbar Peerbhoy College of Commerce and Economics, Mumbai, Dr. Mohammad Raza, Ex-Deputy Director Incharge, RRIUM, Mumbai and Shri Vinod Kumar Sharma, Assistant Director, Hindi Training Scheme, Navi Mumbai.

In his introductory remarks, Dr. Haseeb Alam Lari, Research Officer Incharge, RRIUM, Mumbai highlighted the efforts being made for implementation of the Official Language Policy at the institute.

Speaking on the occasion, Prof. Tahir shared his personal experiences and ideas about Hindi language and advocated to adopt it in its simplest form. Shri Vinod Kumar Sharma addressed



Prof. Mohammed Tahir, Principal, Akbar Peerbhoy College of Commerce and Economics addressing Hindi Workshop at Regional Research Institute of Unani Medicine, Mumbai on June 19, 2019.

various practical aspects related to use of Hindi language in official works. He also highlighted some common shortcomings in official communication in Hindi language.

The workshop concluded with vote of thanks delivered by Dr. Nirmala Devi, Research Officer (Pathology), RRIUM, Mumbai.

The RRIUM, Howrah organized the workshop on June 15, 2019. Dr. Rishikesh Rai, Deputy Director (Official Language) and Secretary Incharge, Tea Board of India

and Acharya Anand Pandey participated in the workshop as experts. In his address, Dr. Rai shared some useful techniques about using Hindi in official works easily and informed about the procedure and benefits of online Hindi training. He urged to make maximum use of Hindi language in subjects related to science and technology and make it a language of science.

Speaking on the occasion, Acharya Anand Pandey suggested using Hindi language in personal

as well as official works in an increasing manner. He expressed his displeasure over dependence on English for science and knowledge and emphasized the need to change the condition.

The workshop concluded with vote of thanks presented by Dr. Faiyaz Ahmad. It was conducted by Dr. Younis Iftikhar Munshi, Research Officer Incharge, RRIUM, Howrah. All the officials of the institute participated in the workshop and benefited.

...

Participation in IDBD Event

The Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Srinagar participated in the event held in the campus of Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences and Technology, Kashmir (SKUAST-K) on May 22, 2019 to mark International Day of Biological Diversity (IDBD).



A view of the stall put up by the Regional Research Institute of Unani Medicine RRIUM, Srinagar in the event held to mark International Day of Biological Diversity on May 22, 2019.

The event organized by J&K State Biodiversity Board and State Forest Research Institute (SFRI), J&K emphasized the need for making coordinated efforts to conserve biodiversity.

Addressing the event, Shri Vijay Kumar, Advisor to Governor, J&K highlighted the importance

of biodiversity which is essential for sustainable development and human well-being in present world. He said that coordinated efforts need to be made for conservation of biological diversity to ensure the sustainable utilization of life support systems on earth.

Prof. Nazeer Ahmed, Vice-Chancellor, SKUAST-K, Shri Suresh Chugh, Principal Chief Conservator of Forests, J&K, Shri Ravi Kumar Kesar, Chairman, J&K State Pollution Control Board, Shri O P Sharma, Director, SFRI, Dr. Phuntsog Angchuk, Director, Indian Systems of Medicine, J&K and other senior government officers, faculty and students of SKUAST-K were present on the occasion.

The RRIUM, Srinagar and various government departments including Forest, Horticulture, SFRI, Wildlife Protection, National Medicinal Plant Board, Fisheries, Agriculture, and Sericulture put up their stalls on the occasion and displayed their products and efforts for the conservation of biodiversity.

The dignitaries visited the stalls and commended the efforts of all participants for putting in their strong efforts in the field of biodiversity and working towards its conservation. It was stressed that our united efforts can bring a positive change in this regard.

...

World Health Day Observed

The Council's Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad and CRIUM, Lucknow organized lecture and public meeting to commemorate World Health Day on April 7, 2019.



Dr. Munawwar H Kazmi, Deputy Director Incharge, CCRIUM, Hyderabad delivering lecture on Universal Health Coverage to mark the World Health Day on April 7, 2019.

The event at CRIUM, Hyderabad started with the welcome address by Dr. Javed Inam Siddiqui, Research Officer (Unani) at the Institute. Dr. Munawwar H Kazmi, Deputy Director Incharge, CCRIUM, Hyderabad delivered a lecture on Universal Health Coverage (UHC), the theme of World Health Day for the year. He explained that UHC means that all people and communities can use the promotive, preventive, curative, rehabilitative and palliative health services they need, of sufficient quality to be effective, while also ensuring that the use of these services does not expose the user to financial hardship. He also shed light on how to prevent diseases and promote health and wellness. Prof. Mushtaq Ahmad, former Director, CRIUM, Hyderabad

also addressed the audience on promotive and preventive aspects of health. The event concluded with vote of thanks proposed by Dr. M A Rasheed, Research Assistant (Chemistry), CRIUM, Hyderabad.

Addressing the public meeting at CRIUM, Lucknow,

Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge of the institute said that various campaigns of WHO have helped the world get rid of many dangerous diseases such as polio, tuberculosis, dengue and malaria, but the non-communicable diseases have emerged as the most potent danger to the human health globally and they require sustained efforts by the governments / NGO's / societies and communities the world over. Dr. Khan highlighted the importance of six essentials of Unani Medicine and said that if people control their food habits and balance their sleep and awakening and rationalize their mental and physical work, they can remain healthy and cheerful throughout their lives. Speaking about the background of the occasion, he said that World Health Day is a chance to celebrate health and remind world leaders that everyone should be able to access the health care they need, when and where they need it.

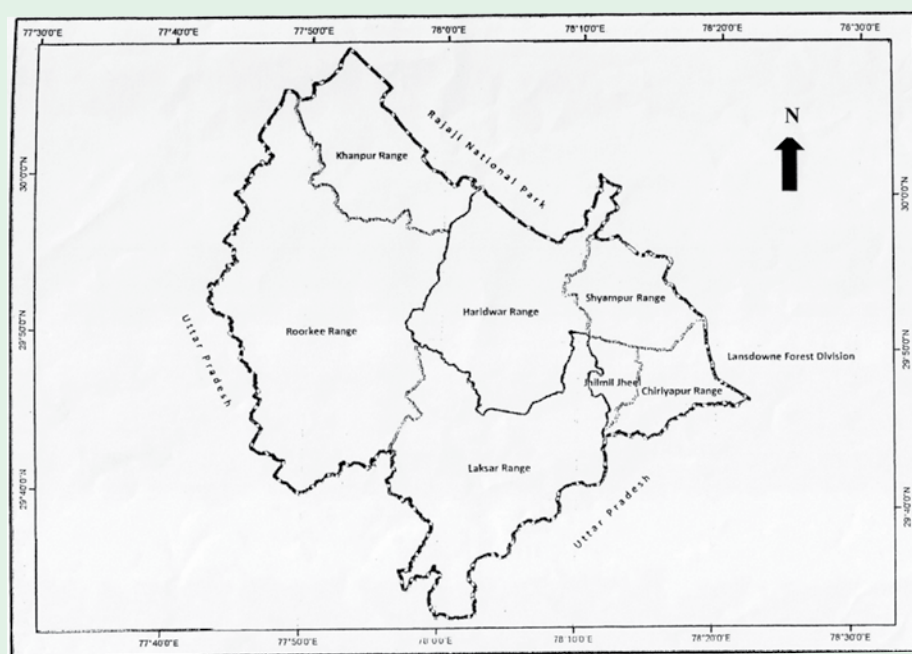
...



Dr. M A Khan, Deputy Director Incharge, CCRIUM, Lucknow delivering public lecture on the occasion of World Health Day on April 7, 2019.

Ethnobotanical Survey of Haridwar Forest Division

Researchers from CCRUM Headquarters and Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Aligarh conducted an ethnobotanical survey of Haridwar Forest Division during March 15–23, 2019. It aimed at recording the availability and distribution of different types of medicinal plants especially those used in Unani Medicine and collecting information on folk medicine.



Map of Haridwar Forest Division, Uttarakhand

Haridwar is the south-western district of Uttarakhand, a northern state of India lying on the border of Uttar Pradesh. The Haridwar Forest Division forms one of the important parts of Shivalik Forest Circle which is rich in vegetation and wildlife.

The division is situated in the North latitude of 29° 41' to 30° 05' and between East longitudes of 76° 04' to 78° 15' and the area of the division is 359.13 km². It is bounded by Rajaji National Park

and Lansdowne Forest Division in the North, Muzaffarnagar district in the South, Bijnor district in the East and Saharanpur district of Uttar Pradesh in the West. Haridwar Forest Division consists of six ranges, namely Shyampur, Khanpur, Chiriyapur, Laksar, Haridwar, Roorkee and one forest unit of Jhilmil Jheel. Van Gujjar, a tribal community, is settled in different places of the forest division.

The areas explored during

the survey included Haridwar, Shyampur, Pilipadao, Mithiberry Rasoolpur, Pilichoki, Haripur, Khanpur, Budhwa Shaheed, Chiriyapur, Kotawali, Rasiyabad, Pathri Bahadrabar, Roorkee, Tibri and Laksar. The surveyors collected around 240 botanical specimens belonging to 87 plant species with relevant field data for herbarium documentation.

The collection included many important Unani medicinal plants, such as Kamila (*Mallotus philippensis* (Lam.) Muell.-Arg), Karanj (*Pongamia pinnata* (L.) Pierre), Kath (*Acacia catechu* (L.f.) Willd.), Bijasar (*Pterocarpus marsupium* Roxb.), Mulsari (*Mimusops elengi* L.), Tun (*Toona ciliata* M. Roem), Satawar (*Asparagus racemosus* Willd.), Amaltas (*Cassia fistula* L.), Arusa (*Justicia adhatoda* L.), Amla (*Phyllanthus emblica* L.), Belgiri (*Aegle marmelos* (L.) Corr), Medalakri (*Litsea glutinosa* (Lour.) C.B. Robins), Gul-e-Dhawa (*Woodfordia fruticosa* (L.), Sapistan (*Cordia dichotoma* Forst. f.), Aru (*Prunus persica* L.), Dhatura (*Datura metel* L.), Kadam (*Anthocephalus chinensis* (Lam.) A. Riehex Walp), Mako (*Solanum nigrum* L.), Tamar-e-Hind (*Tamarindus indica* L.), Toot Safaid (*Morus alba* L.), Sahjana (*Moringa oleifera* Lam.), Sandal Safaid (*Santalum album* L.), Chirchita (*Achyranthes aspera* L.), Brahmi (*Centella asiatica* (L.) urban), Konch (*Mucuna pruriens* (L.) DC.), Sarphuka (*Tephrosia purpurea* (L.), Rudraksh (*Elaeocarpus ganitrus* Roxb. Ex. G. Don), Kadu (*Clerodendrum viscosum* Vent)



Dr. Mokhtar Alam, Shri Parwez Ahmad and Shri Zafaruddin with forest staff and folk healers during ethnobotanical survey of Haridwar Forest Division.

and Sambhalu (*Vitex negundo* L.).

Some important locally known medicinal plants also recorded from the area included Lallari (*Abrus precatorius* L.), Gouj (*Millettia auriculata* Baker), Putranjeeva (*Putranjiva roxburghii* Wall), Pillu (*Glycosmis pentaphylla* (Retz.) DC.), Chamrod (*Ehretia laevis* Roxb.), Balamkheera (*Kigelia africana* (Lam.) Benth), Rudraksh (*Elaeocarpus ganitrus* Roxb. ex G. Don), Padal (*Stereospermum chelonoides* (L.f.) DC), Papri (*Holoptelea integrifolia* Planch), Janjhoda (*Bauhinia racemosa* Lam.), Swanchal (*Malva rotundifolia* L.), Kalabansa (*Barleria prionitis* L.),

Bhangra (*Eclipta alba* (L.) Hassk.), Mahua (*Madhuca longifolia* (Koenig) Macbr.) and Gheekwar (*Aloe vera* (L.) Burm. f.).

In the course of field work, the surveyors also recorded some folk medicinal claims for treating various diseases and conditions of human and cattle from the knowledgeable village elders with their consent. Some of the plants used as folk medicines are Amaltas (*Cassia fistula* L.) - Fruit pulp is given orally in cattle dysentery; Chirchita (*Achyranthes aspera* L.) - Root decoction is used for gallbladder stone and root paste is applied on boil; Kadu (*Clerodendrum cordatum*

D. Don) - Root decoction is used to kill lice; Satawar (*Asparagus adscendens* Roxb.) - Root paste is given for deficient lactation; Kayakothi (*Solanum nigrum* L.) - Areal parts are taken for body swelling; Mala (*Vitex negundo* L.) - Leaf paste is given orally for spermatorrhoea; Kapasi (*Helicteres isora* L.) - Roasted fruit is used in loose motion.

The surveyors also collected dried samples of three medicinal plants from their natural habitats for display in the institute's museum: Stem of Bijasal (*Pterocarpus marsupium* Roxb.); Pods of Rudraksh (*Elaeocarpus ganitrus* Roxb.); Pods of Konch (*Mucuna pruriens* (L.) DC.). Saplings of some Unani medicinal plants were also collected from the field for plantation in the herb garden of the institute.

The survey team was led by Dr. Mokhtar Alam, Research Officer (Botany), CCRUM headquarters and comprised Shri Parwez Ahmad, Research Assistant (Botany) and Shri Zafaruddin, Attendant at RRIUM, Aligarh.

...



Rudraksh (*Elaeocarpus ganitrus* Roxb. Ex. G. Don)



Kadu (*Clerodendrum viscosum* Vent)

Lecture on Social Media

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) organized a lecture on social media at its headquarters on June 14, 2019 with an aim to enlighten AYUSH professionals about exploiting the potentials of social media platforms in better outreach and effective propagation of AYUSH systems.



Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM addressing the participants of the lecture on social media delivered by Prof. Shohini Ghosh, Jamia Millia Islamia at CCRUM Headquarters on June 14, 2019.

The lecture was delivered by Prof. Shohini Ghosh, Officiating Director, Anwar Jamal Kidwai Mass Communication Research Centre, Jamia Millia Islamia, New Delhi.

In his introductory remarks, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM shed light on the background of AYUSH and highlighted the activities and achievements of CCRUM in the area of research and development in Unani Medicine. Talking about the social media, he said that it is a powerful tool that can be leveraged for marketing of AYUSH drugs, getting AYUSH systems their due recognition and disseminating information about research outcomes and government initiatives under the Ministry of AYUSH.

Prof. Shohini Ghosh delivered her lecture on 'Communication Skills in Digital Age' and highlighted the tremendous changes that took place in the field of communication and social media. She discussed about the disruptions created by digital technology and its global impact in detail. She encouraged the AYUSH professionals to use digital tools judiciously and smartly to reach out to the public.

Around 40 AYUSH professionals from the Research Councils under the Ministry of AYUSH participated in the lecture. It was first of a series of lectures planned to be organized in line with the mandate of Ministry of AYUSH to promote and propagate AYUSH systems through various digital tools as mentioned in the National Health Policy 2017.

Registration No. 34691/80

About CCRUM Newsletter

The CCRUM Newsletter is a quarterly official bulletin of the Central Council for Research in Unani Medicine – an autonomous organization of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India. It is published bilingually in Hindi and English and contains news chiefly about the works and activities of the CCRUM. It is free of charge to individuals as well as to organizations interested in the development of Unani Medicine. Material published in the bulletin may be reproduced provided credit is given to the CCRUM Newsletter and such reproduction is not used for commercial purposes.

Editor-in-Chief

Asim Ali Khan

Executive Editor

Mohammad Niyaz Ahmad

Editorial Board

Naheed Parveen

Ghazala Javed

Jamal Akhtar

Shabnam Siddiqui

Editorial Office

CENTRAL COUNCIL FOR

RESEARCH IN UNANI MEDICINE

61-65, Institutional Area, Opp. 'D' Block,
Janakpuri, New Delhi - 110 058

Telephone : +91-11-28521981, 28525982

Fax : +91-11-28522965

E-mail: unanimedicine@gmail.com

rop.ccrum@gmail.com

Website: <http://ccrum.res.in>

Printed at: India Offset Press, A-1, Industrial Area,
Phase - I, Mayapuri, New Delhi - 110 064